

10/6/24

पुनर्वली पेश हई कविवरदा उक्त पक्ष
हाकिर। पार्थक पत्र के कुल वास में
वासी व उन्निवारी उक्त का राशीकका
देकर वल्लिक हो चुका ई प्रकार



फर्द अहकाम (नियम 26)

राजस्व वाद/प्रार्थना पत्र संख्या :- अनवान :-

हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

वास्तु कोर्ट के अहकाम की राशीकत होने के कारण इस प्रार्थना पत्र को कोर्ट पर लाने का औचित्य नहीं है क्योंकि विवाद की स्थिति नहीं रही है परमावली इसी मूल पर खारिज की जाती है परमावली कोपला होकर वाद लकमील इतिहास समल हो

सहायक कलक्टर एवं
उपखंड अधिकारी पीलीबंगा